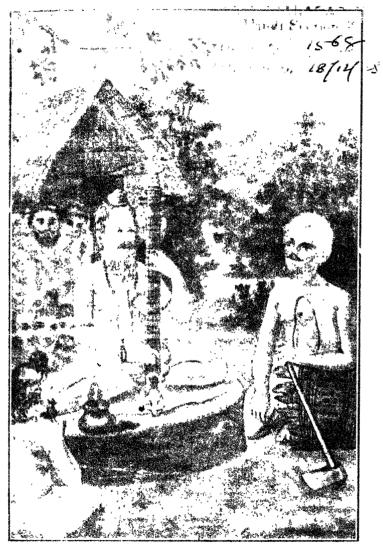
शाही लकड़हारा ही चावन



लेखक--शिववत लाल।